दीनदयाल शोध केन्द्र

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

पाठयक्रम

पी0जी0 डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र

अध्ययन मंडल (बोर्ड ऑफ स्टडीज) की बैठक की कार्यवाही विवरण

दीनदयाल शोध केन्द्र के अन्तर्गत नवीन सत्र 2025-26 में संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रम "पी0 जी0 डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र" की बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक 11 जून 2025 को पूर्वाहन 11.00 बजे सेंटर फॉर एकाडमिक में पाठ्यक्रम को आद्यतन करने हेतु ऑनलाइन मीटिंग सम्पन्न हुई। इस मीटिंग में निम्न सम्मानित सदस्य उपस्थित हुए।

बाह्य सदस्य

1. प्रो मार्कन्डेय नाथ तिवारी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (आनलाइन माध्यम से जुड़े)
2. प्रो भारत भूषण मिश्रा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल (आनलाइन माध्यम से जुड़े)
3. प्रो.प्रदीप कुमार दीक्षित,वी एस एस डी कालेज, कानपुर

विभागीय सदस्य

1. प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, निदेशक
2. डॉ. दिवाकर अवस्थी, समन्वयक
3. डॉ. श्रवण कुमार द्विवेदी
4. श्री स्वयं प्रकाश अवस्थी (विशेष आमंत्रित सदस्य)
5. श्री संगम बाजपेयी

बैठक में निम्न अनुशंसा की गयी:-

1. पाठ्यक्रम संरचना पर आंशिक संशोधन के अद्यतन कर अनुमोदन किये जाने की अनुशंसा पर सहमति व्यक्त की गयी।
4. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सभी संकायों में उत्तीर्ण छात्रों के प्रवेष पर सहमति व्यक्त की गयी।
5. पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन का अधिकार निदेषक के पास सुरक्षित रखा गया।

नोट: बाह्य सदस्यों के ऑनलाइन जुड़े होने के कारण ऑनलाइन ही सहमति प्राप्त की गयी।

प्रो मार्कन्डेय नाथ तिवारी

प्रो भारत भूषण मिश्रा

प्रो.प्रदीप कुमार दीक्षित

प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, निदेशक

डॉ. दिवाकर अवस्थी, समन्वयक

डॉ. श्रवण कुमार द्विवेदी

श्री स्वयं प्रकाश अवस्थी

श्री संगम बाजपेयी

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University] Kanpur

Deendayal Shodh Kendra

PG Diploma In Vaastu Shastra (One Year)

1st Semester						
COURSE CODE	TYPE	COURSE TITLE	CREDIT	CIA	ESE	MAX. MARKS
PGDVS101	Theory	Vaastu Shastra Ka Parichay Evam Swaroop	4	25	75	100
PGDVS102	Theory	Panch Mahabhoot, Vaastu Purush Evam Dik -Sadhan	4	25	75	100
PGDVS103	Theory	Vaastu ke Vividh Aayam	4	25	75	100
PGDVS104	Practical	Prayogik	8	25	75	100
Total Number			20			400
2nd Semester						
COURSE CODE	TYPE	COURSE TITLE	CREDIT	CIA	ESE	MAX. MARKS
PGDVS201	Theory	Vaastu Shastra Evam Grah Nirman Vivechan	4	25	75	100
PGDVS202	Theory	Vaastu me Vividh Sadhan	4	25	75	100
PGDVS203	Theory	Vaastu Shastra Evam Vyapak Vichar	4	25	75	100
PGDVS204	Practical	Prayogik	8	25	75	100
PGDVS205	Project	Project Work	4	25	75	100
Total Number			24			500

Total Credit of the Programme - 44

Total Marks - 900

श्री गणेशाय नमः

COURSE CODE – PGDVS101

प्रथम सेमेस्टर –प्रथम प्रश्न पत्र

वास्तु शास्त्र का परिचय एवं स्वरूप

(A) वास्तु शास्त्र का परिचय

1. प्रस्तावना
2. वास्तु का उद्देश्य
3. ज्ञान के मूल श्रोत (वेद)
4. वास्तु शास्त्र का परिचय
5. वास्तु शास्त्र का इतिहास
6. वास्तु शास्त्र का उद्भव एवं विकास

(B) वास्तु शास्त्र का प्रयोजन एवं स्वरूप

1. वास्तु शास्त्र के प्रवर्तक आचार्य
2. वास्तु शास्त्र का प्रयोजन
3. वास्तु शास्त्र एवं प्राकृतिक शक्तियाँ
4. वर्तमान में वास्तुशास्त्र का स्वरूप

(C) वास्तु शास्त्र में भूमि एवं भूखण्ड

1. भूमि एवं भूखण्ड का चयन
2. भूमि के प्रकार
3. भूमि का शुभाशुभत्व
4. भूमि का आकार एवं ढलान
5. प्रशस्त एवं निषिद्ध भूमि

(Out comes)

1. वास्तु किसे कहते हैं ? यह जान सकेंगे।
2. वास्तुशास्त्र के परिचय को जान सकेगे।
3. वास्तुशास्त्र के स्वरूप को जान सकेंगे।
4. वास्तुशास्त्र के प्राचीन एवं आधुनिक भेद को समझ पायेंगे।
5. वास्तुशास्त्र की उपयोगिता को समझ पायेंगे।
6. वास्तुशास्त्र में ग्रहण करने योग्य भूमि कौन सी होती है यह जान सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. अमर कोष– अमर सिंह (चौखम्बा प्रकाशन–वाराणसी)
2. बृहत्संहिता – मूल लेखक बाराहमिहिर व्याख्याकार – अच्युतानन्द झा(चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी)
3. विश्वकर्म प्रकाश – व्याख्याकार प्रो0 गणेशदत्त (ठाकुर प्रसाद प्रकाशन–वाराणसी)
4. भारतीय वास्तुशास्त्र – प्रो0 शुकदेव चतुर्वेदी (मोतीलाल–बनारसीदास–दिल्ली)
5. वास्तुसार – देवी प्रसाद त्रिपाठी (परिक्रमा प्रकाशन–दिल्ली)
6. भारतीय वास्तुशास्त्र के वैज्ञानिक आधार – बिहारी लाल शर्मा (मान्यता प्रकाशन–नई दिल्ली)
7. ग्रह वास्तु शास्त्रीय विधान – देशबन्धु शास्त्री– (विद्यानिधि प्रकाशन – नई दिल्ली)

प्रथम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

COURSE CODE – PGDVS102

पंचमहाभूत, वास्तुपुरूष एवं दिक्साधन

(A) दिक्साधन विचार

1. दिक्साधन विचार
2. दिक्साधन एवं उसका स्वरूप
3. देशकाल विवेचन
4. पंचमहाभूत – स्वरूप
5. पंचमहाभूत – लक्षण

(B) वास्तु पुरूष का स्वरूपादि विचार

1. वास्तुपुरूष का स्वरूप
2. वास्तुपुरूष एवं दिशायें
3. वास्तुपुरूष के अंगादि का वर्णन
4. वीथि विचार

(C) वास्तु पुरूष एवं भूशोधन

1. भूमिशयन विचार
2. काकिणी विचार
3. भूशोधन विधि एवं प्रकार
4. भूपरीक्षण विधि
5. अहिबल चक्र

(Out comes)

1. पंच महाभूतों के विषय में जान सकेंगे।
2. पंचमहाभूतों के लक्षण एवं स्वरूप को जान सकेंगे।
3. वास्तुपुरूष क्या है ? जान सकेंगें ।
4. वास्तुपुरूष के स्वरूप एवं दिशाओं को जान सकेंगे।
5. भूमि शोधन की विधि एवं उनके प्रकार को जान सकेंगे।
6. वीथि क्या है – जान सकेंगे।
7. काकिणी विचार एवं अहिबल को जान सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. बृहतसंहिता – मूललेखक–वराहमिहिर, व्याख्याकार –अच्युतानन्द झा–(चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी)
2. नारद संहिता – व्याख्याकार – पं. रामजन्म मिश्र (चौखम्बा संस्कृत भवन वाराणसी)
3. मुहूर्त चिन्तामणि – मूल लेखक – रामदैवज्ञ, व्याख्याकार – विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी (चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी)
4. मयमतम् –मूल लेखक–दानवराज मय–व्याख्या, डा0 शैलजा पाण्डेय (चौखम्बा सुरभारती)
5. वास्तु सार – देवी प्रसाद त्रिपाठी (परिक्रमा प्रकाशन – दिल्ली)

COURSE CODE – PGDVS103

प्रथम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

वास्तु शास्त्र के विविध आयाम

(A) वास्तु एवं ज्योतिष

1. प्रस्तावना
2. ज्योतिष शास्त्र का परिचय
3. ज्योतिष शास्त्र का इतिहास
4. ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक आचार्य
5. वास्तु एवं ज्योतिष का सम्बन्ध

(B) काल एवं पंचांग परिचय

1. प्रस्तावना एवं उद्देश्य
2. काल का स्वरूप व काल विभाजन
3. वर्षमान पद्धति
4. पंचांग के विभिन्न अंग एवं उनकी उपयोगिता
5. वास्तु कार्य हेतु मुहूर्त निर्णय

(C) गृह निमार्ण प्रयोजन एवं महत्व

1. प्रस्तावना एवं उद्देश्य
2. ग्रह निर्माण प्रयोजन
3. गृह निर्माण में पंचांग शुद्धि
4. ग्रामवास का शुभाशुभत्व
5. ग्राम वास का फल विचार

(Out comes)

1. ज्योतिषशास्त्र का परिचय जान सकेंगे।
2. ज्योतिषशास्त्र का इतिहास जान सकेंगे।
3. ज्योतिष के प्रवर्तक आचार्यो को जान सकेंगे।
4. पंचांग परिचय, पंचांग के प्रकार एवं उनके अंगों को जान सकेंगे।
5. मुहूर्त चयन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
6. भूमि के अन्दर छिपी शल्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. मुहूर्त चिन्तामणि – मूल लेखक – रामदैवज्ञ, व्याख्याकार– विन्धेश्वरी प्रसाद द्विवेदी (चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी)
2. समरांगण सूत्रधार – मूल लेखक – भोजदेव सम्पादक – डा0 श्री कृष्ण जुगनू (चौखम्भा संस्कृत सीरीज)
3. मयमतम् – मूल लेखक दानवराज मय व्याख्या – डा0 शैलजा पाण्डेय (चौखम्भा सुरभारती)
4. वास्तु सौख्यम् – मूल लेखक टोडरमल, व्याख्याकार – डा0 जी0सी0 त्रिपाठी व्याख्याकार – कमलाकान्त शुक्ला

COURSE CODE – PGDVS104

प्रथम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

- **प्रयोगात्मक**

1. प्रथम सत्र के तीनों प्रश्न–पत्रों के आधार पर प्रयोगात्मक कार्य कराया जायेगा।

श्री गणेशाय नमः

COURSE CODE – PGDVS201

द्वितीय सेमेस्टर –प्रथम प्रश्न पत्र

वास्तु शास्त्र एवं गृह निर्माण विवेचन

(A) वास्तु शास्त्र में गृह निर्माण

1. राहु मुख पुच्छ विचार
2. भूमि खनन विधि (खातारम्भ विधि)
3. शिलान्यास विधि

(B) गृह निर्माण विधि एवं मुहूर्त विचार

1. गृह निर्माण में मासादि विचार
2. गृहारम्भ में वार विचार
3. गृहारम्भ में तिथि विचार
4. गृहारम्भ में नक्षत्रादि विचार
5. गृहारम्भ विधि

(C) अन्य विचार

1. कुम्भ चक्र विचार
2. वृषभ वास्तु चक, गृह कक्ष विन्यास
3. गृह द्वार विचार
4. वास्तु पूजन विधि

(Out comes)

1. राहु मुख पुच्छ की उपयोगिता को समझ सकेंगे।
2. दिशा के अनुसार राहु मुख पुच्छ की स्थिति को जान सकेंगे।
3. खात विचार किसे कहते हैं यह जान सकेंगे।
4. खातारम्भ की विधि को जान सकेंगे।
5. शिलान्यास के महत्व से अवगत होंगे।
6. शिलान्यास की पूजन विधि को जान सकेंगे।
7. गृहारम्भ के मुहुर्त निकालने का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
8. गृहद्वार का विचार करना जान सकेंगे।
9. कुम्भ चक्र का परिचय एवं महत्व जान सकेंगे।
10. कुम्भ चक के निर्माण की विधि एवं नक्षत्र स्थापन जान सकेंगे।
11. वृष वास्तु चक्र को जान सकेंगे और इसके शुभाशुभत्व का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।

पाठ्य पुस्तकें

1. मुहूर्त चिन्तामणि – मूल लेखक –रामदैवज्ञ व्याख्याकार– विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी (चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी)
2. वृहद्वास्तु माला – मूल लेखक – राम निहोर द्विवेदी
3. वास्तु रत्नावली – मूल लेखक – जीवनाथ दैवज्ञ–व्याख्या–श्री कृष्ण जुगनू (चौखम्बा ओरियन्टाला)
4. भारतीय ज्योतिष – शंकर बाल कृष्ण दीक्षित, अनुवाद – शिवनाथ झारखण्डी (उ0प्र0 हिन्दी संस्थान)
5. विश्वकर्मा प्रकाश – विश्वकर्मा जी, व्याख्या, अभय कात्यायन (चौखम्बा सुरभारती)
6. राज वल्लभ मण्डनम्–श्री मण्डनम्–व्याख्या डा0 शैलजा पाण्डेय (चौखम्बा सुरभारती)

COURSE CODE – PGDVS 202

द्वितीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

वास्तु में विभिन्न साधन

(A) **वास्तु में विभिन्न साधन**

1. वर्गीय–पिण्ड साधन विचार वर्ग विचार
2. इष्टाय एवं नक्षत्र निर्धारण
3. पिण्ड साधन
4. गृह का दैर्ध्य विस्तार निर्धारण

(B) **वास्तु पद पर उनके भेद**

1. वास्तुपद के विभिन्न भेद
2. वास्तुपद द्वारा द्वार निर्धारण
3. द्वार के भेद
4. मुख्य द्वार का स्वरूप

(C) **गृहायु विचार**

1. गृह की आयु का विचार
2. द्वार स्थापन मुहूर्त

(Out comes)

1. वास्तुशास्त्र में 'वर्ग' के स्वरूप को समझ सकेंगे।
2. वास्तु में वर्ग की भूमिका को स्पष्ट करने में समर्थ हो सकेगे।
3. वास्तु चक्र में विभिन्न पदों को जान सकेंगे।
4. वास्तुपद के अनुसार द्वार कहाँ स्थिति हो जान सकेंगे।
5. द्वार के भेद को जान सकेंगे।
6. मुख्य द्वार के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
7. गृह की आयु विचार को जान सकेंगे।
8. इष्ट नक्षत्र के निर्धारण में निपुण हो सकेंगे।
9. आयों के प्रकार को जान सकेंगे।

पाठ्य पुस्तकें

1. वास्तु सौख्यम् – मूल लेखक–टोडरमल, व्याख्याकार– श्रीकृष्ण जुगनू (चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी)
2. वृहद्दैवज्ञ रंजनम्– मूल लेखक – रामदीन व्याख्याकार– डा0 मुरलीधर चतुर्वेदी (मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली)
3. वास्तु प्रबोधिनी –विनोदशास्त्री सीताराम शर्मा (मोती लाल बनारसीदास दिल्ली)
4. बृहदवास्तुमाला – रामनिहोर द्विवेदी, डा0 ब्रहमानन्द त्रिपाठी (चौखम्बा सुरभारती–वाराणसी)

स्वयं प्रकाश अवस्थी

COURSE CODE – PGDVS203

द्वितीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

वास्तुशास्त्र एवं व्यापक विचार

(A) वास्तुशान्ति

1. गृहदोष विचार एवं निवारण
2. वास्तुपूजन एवं वास्तुशान्ति
3. वास्तुचक के विभिन्न पदों का नामोंल्लेख एवं पूजन विधान
4. जल स्थापन निर्धारण
5. गृहदशा विचार

(B) जन्मकुण्डली एवं वास्तु

1. जन्मकुण्डली द्वारा वास्तु दोष निर्धारण
2. प्रश्नकुण्डली द्वारा वास्तु दोष निर्धारण
3. देव मन्दिर के हेतु स्थान निर्धारण
4. गृह के आन्तरिक विभाग में विभिन्न कक्षों का निर्धारण
5. गृह के बाह्य विभाग में वास्तु संरचना

(Out comes)

1. गृह के दोषों को पहचान सकेंगे।
2. गृहदोषों का निवारण विधान कराने में समर्थ होंगे।
3. गृह दशा विचार को समझ सकेंगे।
4. जन्मकुण्डली एवं प्रश्नकुण्डली द्वारा गृह के अन्दर वास्तुदोष को जान सकेंगे।
5. गृह में देव मन्दिर, जलस्रोत आदि के स्थान का निर्धारण कर सकेंगे।

पाठ्य पुस्तकें

1. बृहद् वास्तु माला – रामनिहोर द्विवेदी, डा0 ब्रहमानन्द त्रिपाठी (चौखम्बा सुरभारती वाराणसी)
2. वास्तु सौख्यम् – मूल लेखक टोडरमल व्याख्याकार – कमलाकानत शुक्ल
3. बृहद् दैवज्ञ रंजनम
4. बृहद्जातक –मूललेखक– वाराहमिहिर – व्याख्याकार – सुरेश चन्द्र मिश्रा
5. बृहद् संहिता मूल लेखक – वाराहमिहिर–व्याख्याकार–प्रो0 सदानन्द शुक्ल (भारतीय विद्या संस्थान वाराणसी)
6. वृहद् गृह वास्तु शान्ति – अशोक कुमार गौड़ (ठाकुर प्रसाद – वाराणसी)

COURSE CODE – PGDVS204

द्वितीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

- **प्रयोगात्मक**

1. द्वितीय सत्र के तीनों प्रश्न–पत्रों के आधार पर प्रयोगात्मक कार्य कराया जायेगा।

COURSE CODE – PGDVS205

द्वितीय सेमेस्टर – पंचम प्रश्न पत्र

- **प्रोजेक्ट कार्य**

- प्रथम एवं द्वितीय सत्र के सभी प्रश्न–पत्रों के आधार पर प्रोजेक्ट कार्य कराया जायेगा।

निदेशक महोदय,

दीनदयाल शोध केन्द्र
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर

महोदय,

सूचित करना है कि दीनदयाल शोध केन्द्र में संचालित पी0जी0 डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम के निमित्त् दिनांक 11 जून, 2025 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आम सहमति से सम्पन्न हुई ।

जिसमें मैं अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त करता हूँ ।

भवदीय

प्रो0 मार्कण्डेयनाथ तिवारी
श्री लालबहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली मो0–9868773564

Seen

21/07/25

निदेशक महोदय,

दीनदयाल शोध केन्द्र
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर

महोदय,

सूचित करना है कि दीनदयाल शोध केन्द्र में संचालित पी0जी0 डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम के निमित्त् दिनांक 11 जून, 2025 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आम सहमति से सम्पन्न हुई ।

जिसमें मैं अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त करता हूँ ।

भवदीय

भारत भूषण त्रिपाठी

प्रो0 भारत भूषन त्रिपाठी
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
भोपाल परिसर
मो0–8081646773

Seen
21/06/25